यशायाह 24:16–18 की समझ — “हाय मेरी दुर्बलता!” मसीह के
प्रकाश में

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

प्रश्न:
यशायाह 24:16–18 का क्या अर्थ है, विशेष रूप से वह भाग जहाँ नबी कहता है, “मेरी दुर्बलता! मेरी दुर्बलता!”?

यशायाह 24:16–18 (ERV हिन्):

“धरती के छोरों से हम यह कहते सुनते हैं, ‘धर्मी को महिमा!’ किन्तु मैं कहता हूँ, ‘हाय, मेरी दुर्बलता! हाय, मेरी
दुर्बलता! हाय, मुझ पर हाय!’
धोखेबाज धोखा देते हैं! हाँ, धोखेबाज लोग बड़ी विश्वासघात
से काम करते हैं!
डरावनी बातें, गड्ढे और जाल तुम्हारे सामने आए हैं, हे धरती के निवासियो!
जो डर के शब्द से भागेगा, वह गड्ढे में गिरेगा;
और जो गड्ढे से निकलेगा, वह जाल में फँसेगा।
क्योंकि ऊपर के झरोखे खुले हैं, और पृथ्वी की नींव कांप रही है।”

1. धर्मी और उसकी महिमा का प्रगटीकरण (v.16a)

यशायाह 24:16–18 की समझ — “हाय मेरी दुर्बलता!” मसीह के
प्रकाश में

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

यशायाह धरती के छोरों से एक आवाज़ सुनता है:
“धर्मी को महिमा!”
यह एक भविष्यवाणी है — मसीह यीशु की आराधना की जो सारी पृथ्वी पर होगी।

“धर्मी” शीर्षक पवित्रशास्त्र में मसीह के लिए प्रयुक्त अन्य स्थानों के अनुरूप है:

“तुमने उस पवित्र और धर्मी को इन्कार किया…” – प्रेरितों के काम 3:14
“… मेरा धर्मी सेवक बहुतों को धर्मी ठहराएगा…” – यशायाह 53:11

यीशु का आगमन महिमा से भरपूर था — जैसे जब स्वर्गदूतों और लोगों ने उसके जन्म और यरूशलेम में आगमन पर स्तुति की:

“आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उसके प्रसन्न होने वाले लोगों में शांति।” – लूका 2:14
“होशाना! वह धन्य है जो प्रभु के नाम से आता है!” – यूहन्ना 12:13

यशायाह 24:16–18 की समझ — “हाय मेरी दुर्बलता!” मसीह के
प्रकाश में

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

2. नबी का शोक और विश्वासघात (v.16b)

आराधना की आवाज़ सुनने के बाद यशायाह दुःख में पुकारता है:

“हाय, मेरी दुर्बलता! हाय मुझ पर!
धोखेबाज धोखा देते हैं!”

यहाँ “दुर्बलता” या “मरी मांसहीनता” आत्मिक टूटन और दुःख का संकेत है।
नबी इस बात से शोकित है कि मसीह की महिमा के बावजूद लोग उसे अस्वीकार करेंगे।

यह भविष्यवाणी तब पूरी हुई जब उसके अपने लोगों ने उसे ठुकराया और क्रूस पर चढ़ा दिया:

“वह अपने लोगों में आया, पर उसके लोगों ने उसे ग्रहण नहीं किया।” – यूहन्ना 1:11

यशायाह 24:16–18 की समझ — “हाय मेरी दुर्बलता!” मसीह के प्रकाश में

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

“इसे हटा दे, और हमें बरब्बा दे!” – लूका 23:18–23

3. पापी संसार पर परमेश्वर का न्याय (v.17–18)

अब दृश्य एक गंभीर चेतावनी में बदलता है:

“डर, गड्ढा और जाल तुम पर आए हैं।
जो डर कर भागेगा वह गड्ढे में गिरेगा,
जो गड्ढे से निकलेगा वह जाल में फँसेगा।
स्वर्ग खुल गए हैं, पृथ्वी की नींव काँप रही है।”

यह प्रलयकालीन भाषा है — यह “प्रभु का दिन” है:

“यहोवा का महान दिन निकट है… यह क्रोध का दिन होगा…” – सपन्याह 1:14–18
“भूकंप आया… क्योंकि यह उनका क्रोध का महान दिन था।” – प्रकाशितवाक्य 6:12–17

यशायाह 24:16–18 की समझ — “हाय मेरी दुर्बलता!” मसीह के
प्रकाश में

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

इसका अर्थ है — कोई भी परमेश्वर के न्याय से नहीं बच सकता, केवल उसकी दया के माध्यम से।

4. मसीह को स्वीकार करने की तात्कालिकता

संदेश स्पष्ट है:
धर्मी आ चुका है — और फिर आएगा।

यदि हम उसे अस्वीकार करते हैं, तो हम न्याय के लिए अकेले खड़े होंगे।

“सबने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं।” – रोमियों 3:23
“पाप की मज़दूरी मृत्यु है…” – रोमियों 6:23a
“…परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु यीशु मसीह में अनन्त जीवन है।” – रोमियों 6:23b

उद्धार हमारे अच्छे कार्यों पर नहीं, यीशु पर विश्वास पर आधारित है:

यशायाह 24:16–18 की समझ — “हाय मेरी दुर्बलता!” मसीह के
प्रकाश में

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

“क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह से तुम उद्धार पाए हो;
और यह तुम्हारी ओर से नहीं, यह परमेश्वर का वरदान है; यह कर्मों के कारण नहीं…” – इफिसियों 2:8–9

यदि हम उसे अस्वीकार करते हैं, तो हम न्याय का सामना अकेले करेंगे — और हम टिक नहीं पाएँगे।
पर यदि हम उसे ग्रहण करते हैं, तो हमारे पाप क्षमा हो जाते हैं:

“जिसका नाम जीवन की पुस्तक में नहीं पाया गया, वह आग की झील
में डाल दिया गया।” – प्रकाशितवाक्य 20:15

5. एक अंतिम पुकार

यदि आपने अभी तक यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता और प्रभु नहीं माना है, तो अभी समय है।
इस युग का अंत निकट है।
यदि आप आज मर जाएँ, क्या आप निश्चिन्त हैं कि आप परमेश्वर के साथ

यशायाह 24:16–18 की समझ — “हाय मेरी दुर्बलता!” मसीह के प्रकाश में

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

होंगे?

“जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।” – रोमियों
10:13

प्रभु आपको आशीष दे।

शालोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp